गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 30 | गोरखपुर रविवार 18 जनवरी 2026 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

सीएम योगी बोले- 'किसी एक खेल को गोद लें विश्वविद्यालय-महाविद्यालय', मिलेगा बढ़ावा; नशे से दूर रहेंगे युवा

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आान किया है कि वे किसी न किसी एक खेल को गोद लेकर उस खेल से जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल की गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा भी और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में योगदान देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में उत्तर प्रदेश ने भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। तब खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे, कुंठित, हताश और निराश रहते थे। जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है।

इंडिया गठबंधन का अस्तित्व है भी या नहीं?

○बीएमसी नतीजों के बाद सुधांशु त्रिवेदी ने दागे सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में पार्टी और उसके सहयोगियों के प्रदर्शन की सराहना की। शुरूआती रुझानों के अनुसार, भाजपा 98 सीटों पर बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने इस जीत को विपक्ष को करारा जवाब बताया। इस जीत को ऐतिहासिक बताते हुए त्रिवेदी ने भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गठबंधन को समर्थन देने के लिए महाराष्ट्र की जनता का आभार व्यक्त किया। त्रिवेदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में भाजपा और हमारे गठबंधन सहयोगियों ने एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। यह दशार्ता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए को लगातार समर्थन मिल रहा है... हम बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में इस सफलता के लिए भाजपा की ओर से महाराष्ट्र की जनता और सभी समर्थकों का आभार व्यक्त करते हैं। बीएमसी न केवल भारत में बल्कि संभवतः एशिया में भी सबसे बड़े नगर निकायों में से एक है। त्रिवेदी ने आगे कहा कि युवा पीढ़ी ने विकास की जिम्मेदारी महायुति को सौंपी है और उनके समर्थन को देश के भविष्य के लिए एक आशाजनक संकेत बताया। उन्होंने कहा कि मैं कह सकता हूं कि महाराष्ट्र की जनता ने भारत के इस नए विकास पर मुहर लगा दी है... मुझे लगता है कि GenZ ने 'विकसित भारत' के पक्ष में मतदान किया है... यह सफलता निश्चित रूप से देश के भविष्य के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है, एक सकारात्मक संकेत है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने 'इंडिया' गठबंधन के अस्तित्व पर सवाल उठाया और सत्ताधारी दल की जीत को "मुंहतोड़ जवाब" बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) और कांग्रेस के संभावित गठबंधन की संभावना को भी खारिज कर दिया। भाजपा सांसद ने दावा किया कि महाराष्ट्र की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

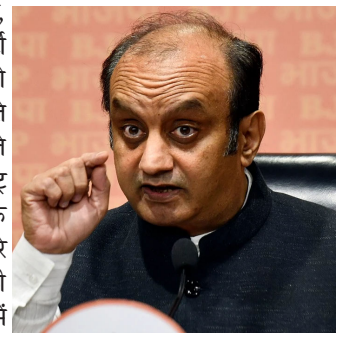

बीएमसी चुनाव नतीजों के बीच राहुल गांधी का बड़ा हमला

चुनाव आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा, वोट चोरी राष्ट्र-विरोधी काम है

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के नतीजों में जैसे-जैसे भाजपा के नेतृत्व वाले 'महायुति' गठबंधन की बढ़त साफ होती जा रही है, विपक्षी खेमे से विरोध के स्वर भी तेज हो गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा खत्म होता जा रहा है। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में वोटों की गिनती तेज होने के साथ ही, कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधा और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के भरोसे में कमी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनके इन बयानों ने ऐसे समय में एक गरमागरम राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जब भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन प्रमुख नगर निकायों में प्रभावशाली बढ़त दिखा रहा है। पर गांधी ने कहा, "चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों को गुमराह करना ही हमारे लोकतंत्र में भरोसे के खत्म होने का कारण है। वोट चोरी एक राष्ट्र-विरोधी काम है।" इस बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों की वोटों की गिनती से मिल रहे शुरूआती रुझानों के अनुसार, पोस्टल बैलेट की गिनती से मिल रहे शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना महायुति गठबंधन लगभग 52 वार्डों में आगे चल रहा है।

हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सैनी का आप पर बड़ा हमला, बोले- केजरीवाल-मान ने किसानों को धोखा दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना करते हुए उन पर किसान सहायता के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मुख्यमंत्री सैनी ने AAP नेताओं के पहले के बयानों का हवाला देते हुए कथित झूठ के पैमाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। सैनी ने दावा किया कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल ने किसानों को दी गई सहायता के बारे में झूठे दावे किए। सैनी ने कहा कि भगवंत मान कहते हैं कि उन्होंने किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ दिए। गुजरात में, अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि उन्होंने 15,000 रुपये प्रति एकड़ दिए। मुझे आश्चर्य है कि वे इतना बड़ा झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भूमि मुआवजे के संबंध में झूठ बोलकर पंजाब की जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा सरकार ने किसानों को 1,400 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की, और इसकी तुलना पंजाब के कथित विश्वासघात से की। उन्होंने पंजाब के लोगों से भाजपा का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा कि पंजाब का भविष्य इसी पार्टी के हाथों में है।

'हमने युवाओं को खुला आसमान दिया'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और स्टार्टअप इंडिया के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नेशनल स्टार्टअप डे का ये अवसर, स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का ये समूह, मैं अपने सामने नए और विकसित होते भारत का भविष्य देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले स्टार्टअप को अक्सर असफलता का रास्ता माना जाता था। आज हम विज्ञान भवन में होने वाली सभाओं से आगे बढ़कर भारत मंडपम में खचाखच भरे हॉल तक पहुँच चुके हैं। मुझे खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे एक ही सप्ताह में दूसरी बार युवाओं से बातचीत करने का अवसर मिला है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से 10 साल पहले, विज्ञान भवन में 500झ700 नौजवानों के बीच इस कार्यक्रम की शुरूआत की थी। उस समय स्टार्टअप की दुनिया में जो नए-नए लोग आ रहे थे, उनके अनुभव मैं सुन रहा था और मुझे याद है एक बेटी, जो कॉरपोरेट वर्ल्ड से अपनी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप की तरफ जा रही थी। नौकरी छोड़कर वो कोलकाता अपनी मां से मिलने गई और मां से कहा कि मैंने नौकरी छोड़ दी है और मैं स्टार्ट करना चाहती हूं। फिर उसकी मां ने कहा, सर्वनाशङ्क तुम बबार्दी की राह पर क्यों जा रही हो! स्टार्टअप को लेकर ये सोच हमारे देश में थी और आज हम कहां से कहां पहुंच गए, विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक, जहां जगह नहीं है। मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं। आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है।

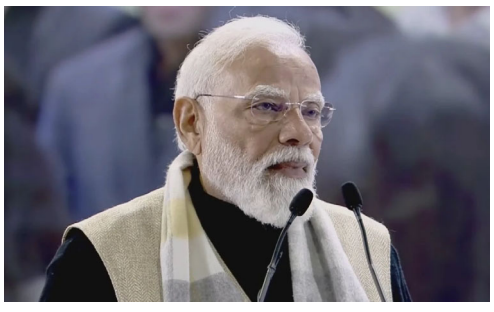

सम्पादकीय...

गिग-वर्कर की सुध

गिग वर्कर्स की हड़ताल और उनके मुश्किल हालात को लेकर समाज में बढ़ती फिक्र के बाद हुए सरकारी हस्तक्षेप से गिग वर्कर्स की बड़ी मुश्किल हल हुई है। कोहरे–ठंड और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच गिग–वर्कर्स पर दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव एक बड़े तनाव की वजह बना हुआ था। गिग–वर्कर्स को हीमैन मानकर द्रुत गति से वाहन दौड़ाकर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती थी। कुछ डिलीवरी ब्वॉयज के दुर्घटनाग्रस्त होकर जान गंवाने व घायल होने के भी समाचार थे। अब यह सुखद ही है कि केंद्रीय श्रममंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक कॉमर्स कंपनियां कष्टदायक दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को तैयार हो गई हैं। इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट, जिसने दस मिनट में डिलीवरी को अपने कारोबार की आक्रामक विज्ञापन रणनीति का हथियार बना लिया था, ने अब अपने मंचों से दस मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। निश्चित रूप से यह अमानवीय ही था कि बेकारी का त्रास झेलते युवाओं पर आनन–फानन दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव बनाया जाए। लंबी ड्यूटी, कम पैसा और जल्दी सामान पहुंचाने के दबाव में बड़ी संख्या में गिग–वर्कर्स काम छोड़ जाते थे। आजकल ठंड के मौसम में उपभोक्ता घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। अतरू उत्तर भारत में भीषण सर्दी और कोहरे के बीच दस मिनट में तेजी से सामान पहुंचाना दुष्कर कार्य था। भारत में आम ट्रैफिक की जटिल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़क हादसों के कारण उनका जीवन जोखिम में बना रहता था। इतना ही नहीं, कई बार डिलीवरी ब्वॉयज को बहुमंजिला इमारतों और कालोनियों के सुरक्षा गार्डों से जूझना पड़ता था, जिससे उन्हें सामान पहुंचाने में देरी हो जाती थी। फिर उपभोक्ता के मोबाइल पर मिले ओटीपी के बाद उनका सामान डिलीवर माना जाता था। समय पर सामान की डिलीवरी न होने पर उनके कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन कमतर आंका जाता है। दरअसल, गिग वर्कर्स को अच्छी रैंक तभी मिलती है जब वे दस मिनट में सामान पहुंचा देते हैं, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में रहते थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दस मिनट में डिलीवरी का दबाव झेलते तथा मेहनताने में कमी आदि मांगों को लेकर गिग–वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी। हालांकि, कंपनी मालिकों ने साल के आखिरी दिनों में उत्सव के माहौल में डिलीवरी बाधित होते देख हड़ताल को कामयाब नहीं होने दिया, लेकिन इस हड़ताल से पूरे देश का ध्यान गिग–वर्कर्स की जायज मांगों की तरफ गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई राजनेताओं ने भी गिग–वर्कर्स के मुद्दे को जोर–शोर से उठाया। पिछले दिनों ध्यान आकर्षण के लिए बाकायदा राघव चड्ढा डिलीवरी ब्वॉय की ड्रेस पहनकर सामान डिलीवर करने भी गए। निस्संदेह, डिलीवरी ब्वॉयज का काम बेहद चुनौतीपूर्ण है, काम के घंटे बहुत ज्यादा हैं और उसके अनुपात में मेहनताना बेहद कम है। इन्हीं चिंताओं के बाद केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें उल्लेख है कि गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नियोक्ता कंपनी द्वारा दी जाएं।

राशिफल

मेषः– पुराने गलतियो से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरे से परिजनो के दिल में जगह बनावें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

बृषभः– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मिथुनः– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न गंवायें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहो की प्रतिकूलता से बिमार पड़ सकता है।

कर्कः– सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन में अरुचितकर लगेगा। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट होगा। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

सिंहः– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें, नुकशान हो सकता है।

कन्याः– प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित हो सकता है। कल्पनाओं में जीना छोड़ कर भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयास करें।

तुलाः– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन मौज मस्ती समय ब्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम तिब्र होगा।

वृश्चिकः– नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन अत्यंत प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न शील बनें।

धनुः– नए क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव है। समस्याओ के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नए सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाईयां दूर होंगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकरः– सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव पहुंच सकता है।

कुंभः– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप का कारण बन सकता है। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मीनः– मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेन्द्र मोदी

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र–तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी–तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों न इस विषय पर अपने कुछ विचार सांझे करूं। मन की बात के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी–तमिल संगमम में जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक–दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर्र स्वामी जी ने अपनी विद्वता और अध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी–तमिल संगमम की शुरूआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ–साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय–समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टैक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। काशी–तमिल संगमम का चैथा संस्करण 2 दिसम्बर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी। तमिल करकलम्- यानी तमिल सीखें। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्याध्थयों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का 4 भारतीय और 6 विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल

एक्सपीडिशन भी देखने को मिली। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अघ्पत की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बी.एच.यू. में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी–तमिल संगमम में इस बार हमारे युवा साथियों के उत्साह ने मुझे सर्वाधिक प्रसन्नता दी। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए यह एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी–तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चैबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए यह गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी–तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। काशी–तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला।

कुछ खास...

बंगाल में बढ़ता घमासान

पश्चिम बंगाल की राजनीति में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। लगातार ऐसे

प्रकरण घटित हो रहे हैं जिनकी वजह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सक्रिय होना बता रहा है कि भाजपा यहां चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सब कुछ अपना रही है। चुनाव आयोग और ईडी दोनों संवैधानिक संस्थाएं हैं और दोनों की साख तभी कायम रहेगी, जब बिना राजनैतिक दबाव के ये कार्य करती दिखाई दें। लेकिन प. बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है। पिछले हफ्ते ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाली एजेंसी आईपैक के दफ्तर और उसके सहसंस्थापक प्रतीक जैन के घर ईडी ने अचानक दबिश दी। यह छापेमारी कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के सिलसिले में दी गई थी और इसका कोई राजनैतिक मकसद नहीं था, ऐसा तर्क ईडी की तरफ से आया। जबकि टीएमसी का सीधा आरोप है कि यह राजनैतिक बदले की कार्रवाई थी और ईडी के जरिए अमित शाह टीएमसी की रणनीति चुराना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरीके से इस छापेमारी का विरोध किया, इसके खिलाफ रैली निकाली इसकी उम्मीद भाजपा को नहीं रही होगी। ईडी ने पहले कलकत्ता हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी के खिलाफ याचिका दी है कि उसने काम में बाधा डाली और ममता बनर्जी मौके पर आकर एक फाइल लेकर चली गईं। इधर टीएमसी ने भी हाईकोर्ट में याचिका दी थी। पिछले हफ्ते इस पर सुनवाई शुरू हुई, लेकिन भीड़ और हंगामे के कारण चल नहीं पाई। फिर बुधवार को फिर से सुनवाई हुई तो इसमें ईडी और भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू बार–बार यही अपील करते रहे कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल है, इसलिए उस पर फैसला आने के बाद ही सुनवाई हो। राजू ने इस बात पर भी आपत्ति जाहिर की कि आई पैक की तरफ से अदालत में कोई मौजूद नहीं था। ईडी ने टीएमसी के आरोप खारिज करते हुए यह भी कहा कि उसने कोई दस्तावेज जब्त नहीं किए। सब कुछ ममता बनर्जी और उनके सहयोगी लेकर चले गए। इस पर टीएमसी की तरफ से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने साफ कहा कि ईडी के इस बयान को दर्ज कर लिया जाए कि छापेमारी के दौरान कुछ भी जब्त नहीं किया गया। यानी भविष्य में अब ईडी किसी दस्तावेज को छापेमारी में बरामद सबूत के तौर पर पेश करना चाहे तो भी यह संभव नहीं होगा। क्योंकि ईडी ने खुद माना है कि उसने कुछ बरामद नहीं किया है। अदालत में टीएमसी ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक पार्टी के साथ मिलकर झूठे इल्जाम गढ़ रही है। फिलहाल ईडी की बार–बार अपील के बाद और टीएमसी की तरफ से दी गई दलीलों के बाद याचिका खारिज कर दी गई हैं, अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर क्या फैसला आता है, ये देखना होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर ईडी चाहे तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिर आ सकती है। यानी जिस उम्मीद से ईडी की छापेमारी आईपैक पर करवाई गई थी और उसके बाद अदालत में भी टीएमसी को घेरने की कोशिश हुई थी, उसमें फिलहाल भाजपा को नाकामी हासिल हुई है।

तारा सुतारिया संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच वीर पहाड़िया के क्रिप्टिक पोस्ट ने खींचा ध्यान, लिखा-वक्त बुरा हो या अच्छा..

बॉलीवुड की यंग और चर्चित जोड़ियों में गिने जाने वाले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया को लेकर इन दिनों ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं। कुछ समय से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा है कि दोनों का रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा। इतना ही नहीं, हाल ही में नूपुर सेनन की रिसेप्शन पार्टी में भी वीर अकेले पहुंचे थे, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहों को और हवा मिल गई। इन सब के बीच हाल ही में वीर पहाड़िया ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे उनके ब्रेकअप से जोड़कर देखा जा रहा है। बुधवार को वीर पहाड़िया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह ब्लैक टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, वक्त बुरा हो या अच्छा, एक न एक दिन बदलता जरूर है।वीर का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस इसे तारा सुतारिया से जुड़े ब्रेकअप रूमर्स से जोड़कर देख रहे हैं। इस पोस्ट को ओरी, भूमि पेडनेकर और करण जौहर जैसे कई सेलेब्स ने लाइक भी किया है। वीर के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन आने लगे। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि वीर और तारा एक-दूसरे के साथ बेहद अच्छे लगते थे। कुछ यूजर्स ने लिखा, प्लीज ये अफवाहें सच न हों, तो वहीं कई फैंस ने दोनों से दोबारा सोचने और पैचअप करने की अपील की। लोगों का कहना है कि दोनों की केमिस्ट्री शानदार थी और उन्हें अलग नहीं होना चाहिए। बताया जा रहा है कि वीर और तारा के रिश्ते में दरार की चर्चा दिसंबर में मुंबई में हुए एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद तेज हुई। इस कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के साथ स्टेज शेयर किया था। दोनों ने साथ में गाना थोड़ी सी दारू परफॉर्म किया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, इसी दौरान तारा और एपी ढिल्लों की नजदीकियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू हो गईं। बताया गया कि इस कॉन्सर्ट में वीर पहाड़िया भी मौजूद थे और उनका रिएक्शन कैमरे में कैद होकर वायरल हो गया था। इसके बाद से ही दोनों के ब्रेकअप की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वीर और तारा ने आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। फिलहाल वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि ये खबरें महज अफवाह हैं या वाकई दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

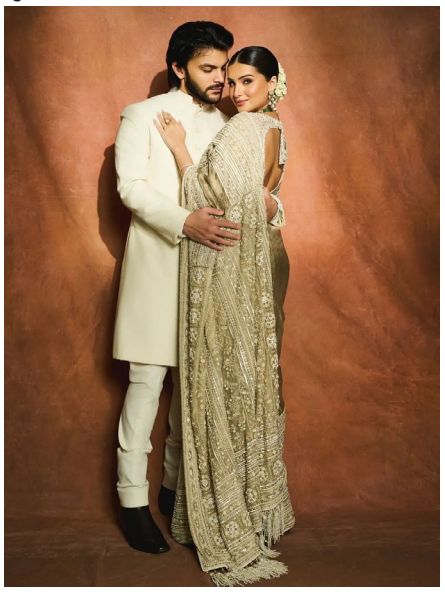

नागबंधन में पार्वती बनीं नभा नतेश

पोस्टर में बेहद खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक ने खींचा ध्यान

कल मेकर्स ने आने वाली फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी, जिसमें बस एक छोटी सी झलक दिखाई गई थी। इस पोस्टर ने सबको पार्वती की पहचान को लेकर सोच में डाल दिया था, साथ ही आज रिवील करने का वादा भी किया गया था। अब आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है और पार्वती से पर्दा उठ चुका है। अपकमिंग फिल्म नागबंधन में पार्वती के किरदार में नभा नतेश को पेश किया गया है, और इसके साथ मेकर्स ने उनका बेहद खूबसूरत पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने पार्वती के रोल में नाभा नतेश को रिवील किया। खूबसूरत एक्ट्रेस ट्रेडिशनल इंडियन साड़ी में बेहद स्टनिंग और अट्रैक्टिव लग रही हैं, जो पूरी तरह से एलिगेंस और ग्रेस दिखा रही हैं। पार्वती को रिवील करने के साथ-साथ मेकर्स ने फिल्म का टाइटल, नागबंधम भी रिवील किया और कैप्शन लिखा, नागबंधन के पोस्टर में पार्वती के रूप में ग्रेसफुल नजर आ रहीं नभा नतेश सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म का वादा भी करती हैं जो भारतीय संस्कृति में गहराई से रची-बसी है। पार्वती की उंगली पर बैठा खूबसूरत पक्षी एक सरप्राइज एलिमेंट जोड़ता है, वहीं बैकग्राउंड में मोर और मंदिर का माहौल इस बात का भरोसा दिलाता है कि कहानी भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े एक अलग ही आयाम को छुएगी। जहां नभा नटेश इस फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में नजर आने वाली हैं, वहीं वह तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन 2019 में आई पस्मार्ट संकर से उन्हें बड़ी पहचान मिली, जिसके बाद वह पस्मार्ट ब्यूटी के नाम से लोकप्रिय हो गईं। इसके अलावा, टाइटल के साथ जुड़ा दिलचस्प टैगलाइन द सीक्रेट ट्रेजर फिल्म में छुपे रहस्य की ओर इशारा करता है, जिसे कहानी के साथ धीरे-धीरे खोला जाएगा। इस खुलासे ने आने वाले कंटेंट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। नागबंधन की कहानी, स्क्रीनप्ले और निर्देशन अभिषेक नामा ने संभाला है। फिल्म को किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागीरेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसे समर 2026 में पैन-इंडिया रिलीज करने की योजना है।

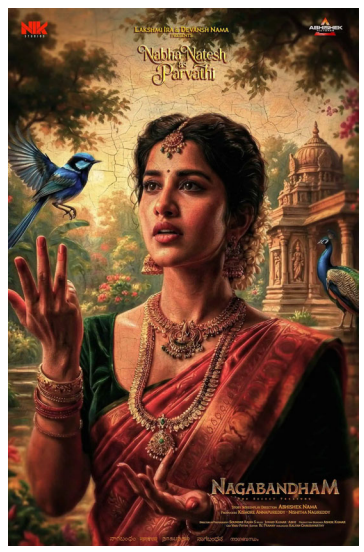

आइवरी साड़ी में सज-धजकर पति रणबीर संग दोस्त के रिसेप्शन में पहुंची आलिया भट्ट, जमकर किया एंजॉय

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में शुमार आलिया भट्ट और रणबीर हमेशा अपनी केमिस्ट्री से लोगों का दिल जीतते है। हाल ही में दोनों अपनी व्यस्तताओं से थोड़ा वक्त निकालकर एक करीबी दोस्त के रिसेप्शन में पहुंचे, जहां उनका अंदाज देखते ही बना। पार्टी में रणबीर-आलिया ने जमकर ठुमके भी लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दोस्त की रिसेप्शन पार्टी में रणबीर कपूर पारंपरिक अंदाज में बेहद आकर्षक नजर आए। उन्होंने ब्लैक कुर्ता के साथ हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला नेहरू जैकेट पहना, जो उनके लुक को क्लासी टच दे रहा था। वहीं आलिया भट्ट ग्लिटर वाली आइवरी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। साड़ी के साथ उन्होंने ब्लू मोतियों से सजा ब्लाउज कैरी किया, जिसने उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना दिया। आलिया ने अपने बालों को स्लिक बन में स्टाइल किया था और डायमंड ईयररिंग्स के साथ पर्ल चोकर पहनकर अपने लुक को कंप्लीट किया। सादगी और ग्लैमर का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। रिसेप्शन के दौरान कपल ने सिर्फ स्टाइल ही नहीं, बल्कि डांस से भी सुर्खियां बटोरीं। ढोल की थाप पर आलिया और रणबीर ने इम्प्रोवाइज डांस किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों दोस्तों के साथ खुलकर एंजॉय करते दिखाई दे रहे हैं। फैंस इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कपल की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। काम की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आलिया भट्ट भी अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। वह यशराज फिल्म्स की स्पाय यूनिवर्स में अल्फा फिल्म के जरिए एंट्री करने जा रही हैं, जिसे लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है।

इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में...

लाइव कॉन्सर्ट में हनी सिंह ने कह डाली अश्लील बात, लोगों ने लिया आड़े हाथ

मशहूर सिंगर और रैपर हनी सिंह अपने गानों से कम कॉन्ट्रोवर्सीज को लेकर ज्यादा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में फिर हनी सिंह विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, हाल ही में हनी सिंह ने लाइव कॉन्सर्ट में हजारों लोगों की भीड़ में कुछ ऐसा आपत्तिजनक कह दिया जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। बस देखते ही देखते उनका ये वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह दिल्ली में एक लाइव कॉन्सर्ट के लिए पहुंचे थे, जहां उन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान सिंगर ने कहा-श्दिल्ली में इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में... करने में मजा आ जाएगा. हनी सिंह का ये वीडियो जैसे ही सामने आया लोगों का गुस्सा भी उन पर फूट पड़ा। कोई उन्हें नशेड़ी कह रहा है, तो वहीं कोई उनके लिए कह रहा है कि वो कभी सुधर नहीं सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, इंसान की फितरत कभी नहीं बदलतीश, एक अन्य यूजर ने लिखा, आपसे ये उम्मीद नहीं थीश। इसी तरह लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं इस वीडियो पर दी हैं। बता दें, इससे पहले भी हनी सिंह कई बार ऐसी अभद्र टिप्पणियां कर चुके हैं। इसके अलावा उनके कुछ गाने भी ऐसे हैं जो काफी विवादित हैं। हनी सिंह ने कई बार अपनी इस इमेज को सुधारने की कोशिश भी की लेकिन फिर कुछ दिनों के बाद वो किसी ना किसी कॉन्ट्रोवर्सी में फंस जाते हैं।

मोटापा, डायबिटीज और दिल की बीमारियों पर ब्रेक लगाने का प्लान, डब्ल्यूएचओ ने दिया समाधान

भारत सहित दुनिया के कई देशों में लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी के चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार दबाव

बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में नॉन कम्युनिकेबल डिजीज के बढ़ते मामले गंभीर चिंता का कारण हैं। नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज वे बीमारियां हैं जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलतीं, बल्कि क्रॉनिक रूप से सेहत के लिए मुश्किलें बढ़ाती जाती हैं। आहार-दिनचर्या में गड़बड़ी, धूम्रपान, शराब और शारीरिक निष्क्रियता आदि को इस तरह की बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है।

हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर और क्रॉनिक श्वसन रोग आदि नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज का उदाहरण हैं। भारत की बड़ी आबादी इन रोगों का शिकार है। अब सवाल ये है कि इन बीमारियों के खतरे को कम कैसे किया जाए?

नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कुछ जरूरी सलाह दिए हैं, जिनके बारे में जान लेना आपके लिए बहुत जरूरी है।

नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज की रोकथाम कैसे हो?

डब्ल्यूएचओ ने कहा, नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज को रोकने के लिए मीठे ड्रिंक्स और शराब से लोगों को दूरी बनानी चाहिए। अगर इनपर टैक्स बढ़ा दिया जाए तो बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से अपील की है कि वे इनका इस्तेमाल कम करने पर जोर दें और इन उत्पादों पर टैक्स बढ़ाएं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि ज्यादातर देशों में इन उत्पादों पर टैक्स कम है।

टैक्स कम होने से ये उत्पाद सस्ते हैं, जिससे लोगों तक इनकी पहुंच आसान है।

इन चीजों के अधिक सेवन के कारण मोटापा, डायबिटीज, दिल की बीमारियां और कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं।

अगर टैक्स बढ़ा दिया जाए तो इनके दाम बढ़ जाएंगे जिससे लोग इनका सेवन कम करेंगे। इससे बीमारियों की गति को रोका जा सकता है।

क्या कहते हैं डब्ल्यूएचओ के अधिकारी?

डब्ल्यूएचओ ने कहा, जहां ऐसे ड्रिंक्स से अरबों डॉलर का फायदा होता है, वहीं सरकारें हेल्थ से जुड़े टैक्स के जरिए उसका बहुत छोटा हिस्सा ही हासिल कर पाती हैं, जिससे समाज को लंबे समय तक स्वास्थ्य और आर्थिक लागत उठानी पड़ती है।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेब्रेयसस ने एक बयान में कहा, हेल्थ टैक्स स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बीमारियों को रोकने के लिए हमारे पास सबसे मजबूत तरीकों में से एक है। तंबाकू, मीठे पेय पदार्थ और शराब आदि पर टैक्स बढ़ाकर, इसके इस्तेमाल को कम किया जा सकता है।

इसके साथ ही इनसे जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए फंड भी जुटाया जा सकता है। गरीब देशों में जहां फंडिंग कम हो रही है, ऐसे टैक्स हेल्थ सिस्टम चलाने में टिकाऊ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने में मदद कर सकते हैं।

तंबाकू-शराब और मीठे पेय पर टैक्स लगाने की सलाह

डब्ल्यूएचओ के एक अधिकारी जनरल जेरेमी फरार कहते हैं, तंबाकू पर टैक्स लगाने से उसका इस्तेमाल कम होता है। मीठे पेय पर भी टैक्स को बढ़ाकर इसकी खपत कम करने में मदद मिल सकती है। इसका सीधा असर डायबिटीज, मोटापा और हृदय की बीमारियों की रोकथाम पर भी देखने को मिल सकता है।

जो देश नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उनके लिए ये तरीका काफी असरदार हो सकता है। इससे हेल्थकेयर में निवेश की संभावना भी बढ़ती है।

फिलीपींस, ब्रिटेन और लिथुआनिया में उठाए गए कदमों का हवाला डब्ल्यूएचओ के निदेशक ने कहा, कई देशों ने दिखाया है कि जब इन्हें सही तरीके से प्रयोग में लाया जाता है तो इसके बेहतर परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने शराब और मीठे पेय पदार्थों पर टैक्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कम से कम 116 देश सोडा जैसे मीठे पेय पदार्थों पर टैक्स लगाते हैं।

कई अन्य देशों में चीनी वाले उत्पाद जैसे पैक्ड फलों के जूस, फ्लेवर मिल्क वाले पेय और कॉफी और चाय पर टैक्स नहीं या फिर बहुत कम है।

शराब पर रिपोर्ट में पाया गया कि 2022 से 2024 तक 56 देशों में बीयर ज्यादा सस्ती हो गई।

कम से कम 25 देशों में, खासकर यूरोप में, वाइन को एक्साइज टैक्स से छूट दी गई थी।

डायबिटीज का हर चौथा मरीज भारत से, सेहत से लेकर जेब तक सबपर पड़ रहा इस बीमारी का असर

भारतीय आबादी में जिन क्रॉनिक बीमारियों के मामले सबसे तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं, उनमें डायबिटीज प्रमुख है। हाई ब्लड शुगर वाली ये समस्या यहां जिस गति से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही है, इसे देखते हुए भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' कहा जाने लगा है। डायबिटीज सिर्फ खून में ग्लूकोज बढ़ने की समस्या नहीं है। धीरे-धीरे ये स्थिति आपकी आंखों, किडनी, लिवर, पाचन तंत्र और रोग प्रतिरोधक क्षमता सभी को नुकसान पहुंचाने लगती है।

आंकड़े बताते हैं कि भारत में डायबिटीज एक बड़ी महामारी बनती जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एक अनुमान के मुताबिक 18 साल से ज्यादा उम्र के 77 मिलियन (7.7 करोड़) लोग टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित हैं।

लगभग 2.5 करोड़ लोग प्रीडायबिटिक हैं जिन्हें भविष्य में डायबिटीज होने का ज्यादा खतरा है।

50% से ज्यादा लोगों को अपनी डायबिटिक स्थिति के बारे में पता नहीं है, जिससे अगर इसका जल्दी पता लगाकर इलाज न किया जाए तो स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

डायबिटीज वाले वयस्कों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा दो से तीन गुना ज्यादा होता है।

डायबिटीज की बीमारी न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा रही है, साथ ही इसके कारण आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है।

डायबिटीज का आर्थिक बोझ

डायबिटीज पर कौन से देश का कितना पैसा खर्च हो रहा है, इसके लेकर हाल ही में सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जिसे डायबिटीज के कारण सबसे ज्यादा आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। भारत पर इस बीमारी का बोझ 11.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।

अमेरिका को सबसे ज्यादा 16.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्च उठाना पड़ता है

वहीं चीन तीसरे नंबर पर है, जिसका खर्च 11 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।

नवंबर 2024 में द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के एक चौथाई से ज्यादा डायबिटिक लोग भारत में रहते हैं।

दुनिया की जीडीपी का 1.7% होता है डायबिटीज पर खर्च

ऑस्ट्रिया में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस और वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस के शोधकताओं ने साल 2020 से 2050 तक 204 देशों में डायबिटीज के आर्थिक असर का हिसाब लगाया। नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के सदस्यों द्वारा दी जाने वाली अनौपचारिक देखभाल को छोड़कर, कुल वैश्विक लागत लगभग 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो दुनिया के सालाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 0.2 प्रतिशत है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि अनौपचारिक देखभाल को शामिल करने पर यह राशि 152 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक हो सकती है जो दुनिया के सालाना जीडीपी का 1.7 प्रतिशत है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस में प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक क्लॉस प्रेटनर कहते हैं, भारत और चीन के लिए, डायबिटीज पर होने वाला खर्च मुख्य रूप से इस रोग से प्रभावित बड़ी आबादी के कारण है, जबकि अमेरिका में उपचार की लागत के कारण खर्च अधिक हो रहा है।

अध्ययन के सह-लेखक माइकल कुह्न कहते हैं यह इस बात का एक साफ उदाहरण है कि डायबिटीज जैसी पुरानी बीमारियों के लिए मेडिकल इलाज सिर्फ ज्यादा इनकम वाले देशों के लिए ही क्यों उपलब्ध है? अल्जाइमर रोग या कैंसर की तुलना में डायबिटीज का आर्थिक असर बहुत ज्यादा है।

डायबिटीज की रोकथाम जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देना, नियमित रूप से व्यायाम और फिजिकल एक्टिविटी को लेकर लोगों को जागरूक करना और संतुलित आहार पर ध्यान देना डायबिटीज को रोकने और इसके आर्थिक असर को कम करने का सबसे असरदार तरीका है।

टीम ने कहा कि व्यापक डायबिटीज स्क्रीनिंग प्रोग्राम के जरिए इस रोग का जल्दी पता लगाना, साथ ही समय पर इलाज उपलब्ध कराना भी जरूरी है ताकि डायबिटीज के कारण होने वाले खर्च को कम किया जा सके।

आपको भी पेट में होता रहता है दर्द? कहीं ये अपेंडिक्स तो नहीं

लाइफस्टाइल में गड़बड़ी और अस्वस्थ खान-पान ने कई तरह की बीमारियों के खतरे को बढ़ा दिया है। जो बीमारियां पहले 50 की उम्र के बाद होती थीं, उनका खतरा अब बच्चों, किशोरों और युवाओं में भी बढ़ता जा रहा है। क्या आपके पेट में भी अक्सर दर्द या सूजन बनी रहती है? पेट दर्द की दवाओं भी आराम नहीं मिल रहा है, कहीं आपको अपेंडिक्स की बीमारी तो नहीं हो गई है?

अपेंडिक्स की समस्या भी अब काफी आम होती जा रही है। अपेंडिक्स एक छोटा सा उंगली के आकार का पाउच होता है जो बड़ी आंत से जुड़ा होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इम्यून सिस्टम को ठीक रखने और पेट ठीक रखने में भी ये जरूरी है। जब अपेंडिक्स में सूजन आ जाती है तो इसके कारण कई तरह की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

आइए जानते हैं कि अपेंडिक्स की दिक्कत क्या है और किन लोगों को इसका खतरा होता है?

अपेंडिक्स के बारे में जानिए?

अपेंडिक्स में सूजन आ जाने की समस्या को अपेंडिसाइटिस कहा जाता है। इससे आपके पेट के निचले हिस्से में तेज और अचानक बहुत दर्द हो सकता है।

अपेंडिक्स एक छोटी ट्यूब जैसी थैली होती है, जो आपकी बड़ी आंत के निचले दाहिने सिरे से बाहर निकली होती है।

आपकी बड़ी आंत से गुजरने वाला मल आपके अपेंडिक्स को ब्लॉक या संक्रमित कर सकता है, जिससे सूजन हो जाती है।

अपेंडिक्स में सूजन पर अगर ध्यान न दिया जाए तो अपेंडिक्स फट भी सकता है, ये एक मेडिकल इमरजेंसी है।

इसमें सूजन की समस्या क्यों होती है?

हर साल दुनिया भर में लाखों लोग अपेंडिसाइटिस की दिकत्त हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आजकल की गड़बड़ लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों ने अपेंडिक्स की समस्या बढ़ा दी है। जंक फूड्स, लो फाइबर वाली डाइट, पानी की कमी और पाचन संबंधी बीमारियां इसका प्रमुख कारण हैं।

अपेंडिसाइटिस के कारण पेट के निचले दाहिने हिस्से में दर्द होता है, हालांकि ज्यादातर लोग इस दर्द को सामान्य या गैस की समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं। पर ये गंभीर स्थिति का कारण बन सकती है।

अपेंडिसाइटिस की क्या पहचान है?

अपेंडिसाइटिस में पेट में दर्द होना सबसे आम लक्षण होता है। हालांकि उम्र और अपेंडिक्स की स्थिति के आधार पर दर्द कम या ज्यादा हो सकता है। इसके अलावा अपेंडिक्स के कारण और भी कई समस्याएं हो सकती हैं।

पेट के निचले दाहिने हिस्से में अचानक दर्द शुरू होना।

नाभि के आसपास अचानक दर्द शुरू होना और अक्सर पेट के निचले दाहिने हिस्से तक चला जाता है।

खांसने, चलने या कोई भी झटका लगने पर दर्द बढ़ जाता है।

मतली और उल्टी।

भूख न लगना।

कब्ज या दस्त के साथ पेट फूलने की दिक्कत

अपेंडिक्स से कैसे बचें?

अपेंडिक्स की समस्या पर समय रहते ध्यान दिया जाना चाहिए।

खिलाड़ियों की मांग के आगे झुका बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, नजमुल इस्लाम को पद से हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अपने खिलाड़ियों की मांग के आगे झुक गया और उसने नजमुल इस्लाम को बोर्ड के वित्तीय समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। नजमुल को लेकर बांग्लादेश के खिलाड़ियों में काफी रोष था और क्रिकेट वेलफेयर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (CWAB) ने नजमुल के इस्तीफे तक देश में क्रिकेट का बहिष्कार करने की मांग कर दी थी। विवाद बढ़ता देख बीसीबी ने नजमुल को हटा दिया है।

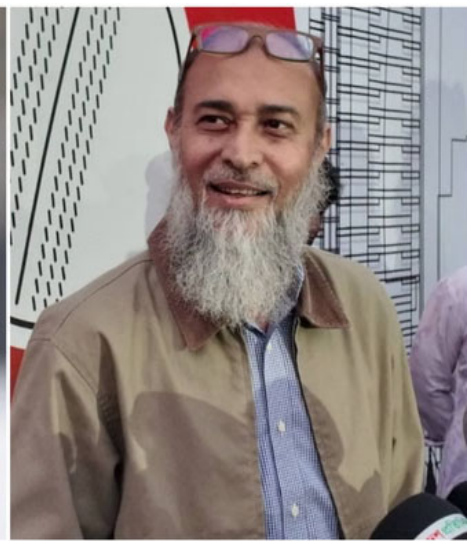

उन्होंने देश के संभावित वापस हटने की स्थिति में खिलाड़ियों के पारिश्रमिक संबंधित चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक अपने समर्थन को सही नहीं ठहराया है।' इस बयान ने खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय को भड़का दिया।

खिलाड़ियों ने किया था बीपीएल मैच का बहिष्कार

विवाद का असर तुरंत दिखाई दिया। नोआखली एक्सप्रेस vs चटगांव रॉयल्स के मैच में टॉस तक नहीं हो सका क्योंकि कोई भी टीम मैदान पर नहीं पहुंची। खिलाड़ियों ने साफ कहा कि जब तक नजमुल इस्तीफा नहीं देते, वे सभी तरह के क्रिकेट का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ियों का आक्रामक रवैया देखकर बीसीबी ने नजमुल को पद से हटाना ही उचित समझा।

बयान जारी क्या बोला बीसीबी

बीसीबी ने विवाद के बीच बयान जारी कर कहा, बीसीबी यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में, बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का निर्णय लिया है।

बीसीबी ने कहा, यह निर्णय बीसीबी संविधान के अनुच्छेद 31 के तहत बीसीबी अध्यक्ष को प्राप्त अधिकार के अनुसार लिया गया है और इसका उद्देश्य बोर्ड के कार्यों का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना है। अगली सूचना तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे।

बयान में आगे कहा, बीसीबी इस बात को दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

इस संदर्भ में बीसीबी आशा करता है कि सभी क्रिकेटर खेल के लिए इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी बांग्लादेश क्रिकेट की बेहतरी के लिए उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और समर्पण का प्रदर्शन करते रहेंगे और बांग्लादेश प्रीमियर लीग में अपनी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

बुमराह को ट्रेनिंग के लिए मिला नया पार्टनर, तैयारी में जुटे; क्यूट वीडियो ने जीता फैंस का दिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुट गए हैं। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह 21 जनवरी से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से मैदान पर वापसी करेंगे। बुमराह ने टी20 सीरीज से पहले नेट्स पर अभ्यास शुरू कर दिया है। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह अपने बेटे अंगद के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज से तैयारियों को परखेंगे बुमराह

बुमराह को व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम दिया गया था। लेकिन वह टी20 टीम का हिस्सा हैं। अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए न्यूजीलैंड सीरीज काफी अहम है। बुमराह भारत के अहम खिलाड़ी हैं और कीवी टीम के खिलाफ सीरीज से विश्व कप की तैयारियों को परखेंगे।

बुमराह बोले- नए साथी ने किया प्रेरित

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि बुमराह फुल मोड में गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं। इसके दौरान उनके साथ बेटे अंगद भी मौजूद हैं। बुमराह ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ट्रेनिंग में नए साथी ने मुझे प्रेरित किया।' वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह जब बुमराह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं तो अंगद उनके आसपास घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को काफी शेयर किया जा रहा है और यूजर्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

सीरीज से पहले चोट की समस्या से जूझ रहा भारत

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही है। तिलक वर्मा पहले ही चोट के कारण शुरूआती तीन मैचों से बाहर हो चुके हैं और अब ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी वनडे के बाद टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। तिलक और वाशिंगटन दोनों टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और यह देखना होगा कि दोनों खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट से पहले फिट हो पाते हैं या नहीं।

इंग्लैंड के रशीद-रेहान को अब तक भारत का वीजा नहीं? टीम की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर पड़ा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन से आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार ने अभी तक इंग्लैंड के स्पिनरों आदिल रशीद और रेहान अहमद के वीजा जारी नहीं किए हैं, जिससे इंग्लैंड की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर असर पड़ा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों खिलाड़ी बाकी स्क्वॉड के साथ इस सप्ताहांत श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाएंगे।

पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी रशीद-रेहान

रिपोर्ट के मुताबिक, देरी का असर इसलिए भी अहम है क्योंकि दोनों खिलाड़ियों की पृष्ठभूमि पाकिस्तानी मूल की है। फिलहाल आदिल रशीद दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में खेल रहे हैं, जबकि रेहान अहमद बिग बैश लीग के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। योजना यह है कि वीजा क्लीयरेंस मिलते ही दोनों वहीं से सीधे रवाना हो सकें।

ईसीबी की प्रतिक्रिया और आश्वासन

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को आश्वासन दिया गया है कि वीजा आवेदन पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जारी होने के समय पर स्पष्टता नहीं है।

ईसीबी ने इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए यूके सरकार से भी मदद मांगी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि बोर्ड को विश्वास है कि मसला हल हो जाएगा, लेकिन समय फिक्स नहीं है।

इंग्लैंड के पास सिर्फ एक स्पेशलिस्ट स्पिनर

रिपोर्ट के मुताबिक ईसीबी को कहा गया, 'आवेदनों पर कोई आपत्ति नहीं है, और हम प्रक्रिया को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।' वीजा क्लीयरेंस में देरी के चलते इंग्लैंड के पास अभी सिर्फ लियम डॉसन एकमात्र स्पेशलिस्ट स्पिनर हैं। ऐसे में विल जैक्स और जैकब बेथेल को भी उम्मीद से ज्यादा ओवर फेंकने पड़ सकते हैं।

श्रीलंका टूर और वर्ल्ड कप शेड्यूल

इंग्लैंड 22 जनवरी से कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ पहला वनडे खेलेगा। टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की शुरूआत आठ फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ है।

अमेरिकी टैरिफ बेअसर, भारत का एक्सपोर्ट ट्रैक पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर लंबे समय से जारी अनिश्चितता के बीच सरकार की ओर से सकारात्मक संकेत मिले हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल कहना है कि यह समझौता अंतिम दौर में है। दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रक्रिया कभी थमी नहीं है। अमेरिका के साथ लगातार संवाद बना हुआ है। लंबे समय से अटके कई मुद्दों पर तेजी से प्रगति हो रही है। गुरुवार को ताजा ट्रेड डेटा जारी करते हुए अग्रवाल ने यह भी बताया कि अमेरिका के अलावा चीन और यूएई के साथ भारत का व्यापार मजबूत गति से आगे बढ़ रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती कारोबारी भूमिका को दशार्ता है।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बाजारों में उत्सुकता चरम पर है। इस बीच वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने साफ संकेत देते हुए कहा कि समझौता अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि, डील अब पहले से कहीं ज्यादा करीब है। जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। दोनों देशों के बीच बातचीत की कड़ी कभी टूटी नहीं है। दोनों देश लगातार संपर्क में बने हुए हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के बीच कई दौर की वर्चुअल बैठक भी हो चुकी है।

हालांकि अभी कुछ मुद्दे अभी लंबित हैं, जिन पर गहन चर्चा जारी है। अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और औपचारिक घोषणा उसी समय की जाएगी।

भारत के श्रम बाजार में मिश्रित संकेत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8% हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत की बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (UR) नवंबर के 4.7 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के आंकड़े क्या कह रहे?

दिसंबर 2025 के पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) के बुलेटिन से पता चलता है कि ग्रामीण भारत में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। इसके विपरीत, शहरी क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति में गिरावट देखी गई है, जहां बेरोजगारी दर पिछले महीने के 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के बीच बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत पर स्थिर और कम बनी हुई है। वहीं, शहरी महिलाओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है, जहां बेरोजगारी दर नवंबर के 9.3 प्रतिशत से घटकर दिसंबर में 9.1 प्रतिशत पर आ गई है। अन्य जेंडर श्रेणियों में बेरोजगारी दर में मामूली बढ़ोतरी हुई है, हालांकि यह अभी भी मध्य-वर्ष के उच्च स्तरों से नीचे है।

कार्यबल भागीदारी और रोजगार अनुपात का क्या हाल है?

बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि के बावजूद, देश के समग्र वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो (WPR) में सुधार देखा गया है। WPR, जो कुल जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के अनुपात को दशार्ता है, दिसंबर में बढ़कर 53.4 प्रतिशत हो गया, जो नवंबर में 53.2 प्रतिशत था।

ग्रामीण पुरुष WPR: नवंबर के 75.4% से बढ़कर दिसंबर में 76% हो गया।

शहरी पुरुष WPR: इसमें गिरावट दर्ज की गई और यह 70.9% से घटकर 70.4% रह गया। इसके असर से पुरुषों का समग्र WPR 74.1 प्रतिशत रहा। दूसरी ओर, महिलाओं का समग्र कार्यबल अनुपात 33.4 प्रतिशत से सुधरकर 33.6 प्रतिशत हो गया है। **सरकारी आंकड़ों में श्रम शक्ति भागीदारी दर क्या?**

दिसंबर 2025 में श्रम शक्ति भागीदारी दर (LFPR) में भी ऊपर की ओर रुझान देखा गया, जो अर्थव्यवस्था के प्रति श्रमिकों के बढ़ते भरोसे का संकेत हो सकता है। 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए कुल LFPR 56.1 प्रतिशत रहा, जबकि नवंबर में यह 55.8 प्रतिशत था।

ग्रामीण क्षेत्रों में LFPR 58.6 प्रतिशत से बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, शहरी LFPR में हल्की गिरावट देखी गई और यह 50.4 प्रतिशत से घटकर 50.2 प्रतिशत रह गया। महिलाओं की भागीदारी के मोर्चे पर, ग्रामीण महिला LFPR में लगातार वृद्धि जारी है, जो दिसंबर में 40.1 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

कैसे इकट्ठा किए गए आंकड़े?

यह रिपोर्ट जनवरी 2025 से अपनाई गई नई सैंपलिंग प्रणाली के तहत जारी नौवां मासिक बुलेटिन है।

संक्षिप्त समाचार

कड़कड़ाती ठंड में खुले में सोने को मजबूर है गरीब

लखनऊ (संवाददाता)। एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्पष्ट आदेश है कि कोई भी इस हाड़-कपाउ ठंड में खुले में सोता नजर न आये। बाबजूद हसके नगर निगम और पुलिस प्रशासन के जिम्मेदारों की लापरवाही सामने आ रही है। थाना नाका किंडोला और थाना बाजारखाला, दो-दो थानों की सीमा के बीच स्थित ऐशबाग रेलवे पुल का हाल किसी को नजर नहीं आ रहा है। ऐशबाग पुल पर इस कड़कड़ाती ठंड मे भी गरीब खुले में सोने को मजबूर है। उसे रैनबसेरों की गर्माहट नसीब नहीं हो पा रही है। उ0प्र0 के मुख्यमंत्री तो संवेदनशील है। परंतु मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करवाने वाले जिम्मेदारों के पास संवेदनशीलता नहीं है। खुले में सोने वाले ये गरीब कौन है, ये कहां से आते है और क्यों इस ठंड में खुले में सो जाते है? इसकी जानकारी न तो पुलिस प्रशासन और न नगर निगम के पास है। अनेक सामाजिक संगठन जो केवल अखबारों में फोटों खिचाने और अपने दान का प्रचार करते है, वे संगठन भी इन गरीबों की कोई सुध नहीं लेते है। गरीब तो बस खुले में सोने को मजबूर है।

लाखों युवाओं को उद्यम और नवाचार के नए अवसर प्रदान किए

स्टार्टअप इंडिया दिवस पर योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टार्ट अप इंडिया योजना के 10 वर्ष पूरे होने के मौके पर शुक्रवार को कहा कि पिछले एक दशक में इसने लाखों युवाओं को उद्यम, उद्योग और नवाचार के नए अवसर प्रदान किए हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया योजना के सफलतम 10 वर्ष पूरे होने पर सभी को हार्दिक बधाई। यह अभिनव पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देते हुए भारत को नवाचार संचालित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में गतिशील बना रही है। उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में स्टार्टअप इंडिया ने लाखों युवाओं को उद्यम, उद्योग एवं नवाचार के नए अवसर प्रदान किए हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी स्टार्टअप परिवेश के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इस विकासोन्मुख अभियान से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की यात्रा को नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है। स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत 16 जनवरी 2016 को एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य नवोन्मेष को पोषित करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और निवेश-आधारित वृद्धि को सक्षम बनाना है ताकि भारत को नौकरी तलाशने वालों के बजाय नौकरी देने वालों का देश बनाया जा सके। आधिकारिक बयान के मुताबिक पिछले एक दशक में स्टार्टअप इंडिया पहल भारत की आर्थिक एवं नवोन्मेष संरचना का एक प्रमुख आधार बनकर उभरी है। इसने संस्थागत तंत्र को मजबूत किया है, पूंजी एवं मार्गदर्शन तक पहुंच का विस्तार किया है और स्टार्टअप के लिए विभिन्न क्षेत्रों एवं भौगोलिक क्षेत्रों में विकास तथा विस्तार के अनुकूल माहौल को बढ़ावा दिया है। बयान में कहा गया कि इस दौरान भारत के स्टार्टअप परिवेशी तंत्र में अभूतपूर्व विस्तार देखा गया है और देश र में 2,00,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है।

विहिप के प्रदर्शन से पहले राजभवन का नोटिस, केजीएमयू के आसपास पुलिस मुस्तैद देख कार्यकर्ता लौटे

लखनऊ (संवाददाता)। केजीएमयू के सामने विहिप के प्रदर्शन की सूचना पर राजभवन से नोटिस जारी कर दिया गया। राज्यपाल के ओएसडी ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए कि केजीएमयू कैंपस के आसपास प्रदर्शन न होने पाए। इसके बाद कैंपस के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अपने तय समय दोपहर 12 बजे पहुंचे कार्यकताओं ने गेट-2 पर पुलिस मुस्तैद देखी तो अपना प्रदर्शन रोक दिया। दरअसल, केजीएमयू में चल रहे लव जिहाद प्रकरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता कैंपस के गेट-2 पर हनुमान चालीसा पाठ करने वाले थे। वे कैंपस के पास पहुंचते कि उससे पहले वहां पुलिस बल मुस्तैद हो गया। यह देखते ही विहिप ने चालीसा पाठ का प्लान बदल दिया और हजरतगंज जीपीओ पहुंच गए। वहां नारेबाजी की। केजीएमयू की कुलपति के ओएसडी को हटाने की मांग रखी। साथ ही यूनिवर्सिटी में 2021 से अब तक हुई नियुक्तियों की जांच कराने की भी मांग रखी। विहिप के अनुसार, कार्यकर्ता जीपीओ से एकत्रित होकर विधानसभा की तरफ बढ़े। यहां पुलिस ने रोक लिया तो पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अब्बास को कुलपति के ओएसडी के पद से हटाने की मांग भी रखी। केजीएमयू के सामने प्रस्तावित हनुमान चालीसा पाठ की सूचना पर राजभवन एक्टिव हो गया था। राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के ओएसडी पूर्व एसीएस सुधीर कुमार बोबड़े ने पुलिस कमिश्नर को लेटर लिखकर कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने को कहा था। उसके बाद केजीएमयू के सामने सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई थी।

सोने-चांदी के बढ़ते भाव से डिप्रेश सर्राफ ने सुसाइड किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सराफा कारोबारी ने सुसाइड कर लिया। उनका शव घर के आंगन में मिला। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना गुरुवार रात सआदतगंज थाना क्षेत्र के चैपटिया में हुई। मृतक सर्राफ की पहचान मनोज अग्रवाल के रूप में हुई। साथी सराफों का कहना है कि मनोज ने सहालग को लेकर पूर्व में कई बड़े ऑर्डर लिए थे। उस समय सोना-चांदी के दाम कम थे। अब सहालग में उसी पुराने दाम पर उन्हें सभी ऑर्डर पूरे करने थे। इस वजह से वह डिप्रेशन में रहते थे। लग रहा है कि इसी वजह से उन्होंने सुसाइड कर लिया। मनोज की चैक में हरी मस्जिद के पास कुंदन मार्केट में श्री श्रृंगार नाम से दुकान है।

घर से लापता युवक का मिला शव, परिजन बोले, हत्या करके शव घसीटकर जंगल में फेंका

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक युवक का जंगल में शव मिला। उसकी पहचान 30 वर्षीय राजेंद्र कुमार के रूप में हुई। परिजनों ने हत्या करके शव को जंगल में फेंकने की बात कही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की है। घटना बंथरा थाना क्षेत्र के अमावा जंगल की है। सहिजनपुर, बंथरा निवासी राजेंद्र कुमार गुरुवार सुबह करीब 9 बजे से लापता था। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे उनका शव घर से करीब 3 किलोमीटर दूर अमावा जंगल में मिला। उनका मोबाइल, चप्पल और गमछा गायब था। सहिजनपुर निवासी राजेंद्र कुमार गुरुवार सुबह करीब 9 बजे खेत की सिंचाई करने की बात कहकर घर से निकले। करीब 1 घंटे बाद उनकी मां खाना लेकर खेत गईं। खेत में राजेंद्र कुमार नहीं मिले। राजेंद्र की मां ने ट्यूबवेल मालिक अशफीलाल से उसके बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि राजेंद्र वहां आया ही नहीं था। परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन वह स्विच ऑफ मिला। काफी तलाश के बाद भी राजेंद्र का पता नहीं चला। शाम को राजेंद्र के पिता सुमित कुमार ने बंथरा थाने में उसकी गुमशुदगी की तहरीर दी। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे राजेंद्र के बड़े भाई सुभाष खोजबीन करते अपने खेत के पास जंगल में पहुंचे। खेत से करीब 500 मीटर की दूरी पर जंगल में राजेंद्र का शव मिला। उसका मोबाइल, गमछा और चप्पल गायब था। पिता सुमित कुमार ने बताया राजेंद्र ने करीब साल भर पहले गांव के ही रामबाबू, रामचंद्र और राम शंकर के खेत बटाई पर लिया था। इस सीजन में उसमें गेहूं बोया था। उसी में पानी लगाने के लिए गुरुवार को घर से निकला था। गुरुवार को उसके लापता होने पर काफी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर गुरुवार रात 8.00 बजे हरौनी पुलिस चैकी पर उसकी गुमशुदगी की तहरीर दी थी। जहां से पुलिस ने बंथरा थाने भेज दिया। रात 10 बजे बंथरा थाने में तहरीर दी गई, लेकिन पुलिस ने आज सुबह 10.00 बजे गुमशुदगी दर्ज की। इस दौरान परिवार और रिश्तेदार उसकी खोजबीन करते रहे। आज सुबह जंगल में बेटे का शव मिला। मृतक की जेब में उसकी पर्स मिली है। पर्स में 50 रुपए, आधार कार्ड व अन्य कागजात मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन की है। मृतक के मौसा संतराम उन्नाव जिले के हसनगंज स्थित चुनौटी गांव में रहते हैं। संतराम ने किसी काम के लिए मृतक राजेंद्र को गुरुवार सुबह करीब 10 बजे फोन किया था। तब रोने की आवाज आ रही थी, लेकिन बाद में फोन कट गया था। उसके बाद राजेंद्र का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया था।

एएनएम भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का गुस्सा फूटा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की एएनएम (5272 पद) भर्ती परीक्षा को लेकर लखनऊ में अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। परीक्षा में घोषित सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाते हुए 2 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने पिकअप भवन के बाहर प्रदर्शन किया। अफसरों को सीएम योगी के लिए ज्ञापन सौंपा। कुछ अभ्यर्थी सीएम आवास के पास पहुंच गए। गौतमपल्ली पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। अभ्यर्थियों का कहना है कि एएनएम भर्ती परीक्षा 11 जनवरी को हुई थी। इसमें सामान्य ज्ञान (जीके) और कंप्यूटर सब्जेक्ट से 35 से 40 प्रश्न आए थे, जबकि इन विषयों का सिलेबस में जिक्र ही नहीं था। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि हमने आयोग की तरफ से तय पाठ्यक्रम के हिसाब से ही कई महीनों तक कठिन परिश्रम कर तैयारी की थी। परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न आने से न सिर्फ उनकी मेहनत बेकार चली गई, बल्कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अभ्यर्थियों ने मांग की कि यूपीएसएसएससी एएनएम (5272) भर्ती परीक्षा में सिलेबस से बाहर पूछे गए जीके और कंप्यूटर के प्रश्नों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। परीक्षा देने वाली लड़कियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को निरस्त कर री-एग्जाम की तारीख जल्द घोषित की जाए। इससे पहले प्रदर्शन के दौरान पिकअप भवन के बाहर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी जमा हो गए, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए जाम जैसे हालात बन गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। फिलहाल मामले पर आयोग या शासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी कंचन यादव ने कहा कि आयोग ने 38 टॉपिक दिए थे। कहा गया था कि उन्हीं टॉपिक से प्रश्न आएंगे।

परिवार गया ससुराल, चोरों ने लाखों के गहने पार किए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में एक मजदूर के घर से लाखों रुपए के गहने और नकदी चोरी हो गई। चोरों ने बीती रात घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित मजदूर मंसाराम गौतम ने शुक्रवार सुबह घर लौटने पर चोरी की जानकारी पुलिस को दी। नटकुर गांव निवासी मंसाराम गौतम मकर संक्रांति के त्योहार पर गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ ससुराल चंद्रावल गए थे। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जब वे वापस लौटे, तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाने पर कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था और संदूक का ताला भी टूटा हुआ था। मंसाराम के अनुसार, संदूक में रखे लगभग दो लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने गायब थे। हजारों रुपए से भरा गुल्लक भी मौके से गायब मिला। सूचना मिलने पर बिजनौर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। छानबीन के दौरान मंसाराम की छत पर टूटा हुआ गुल्लक मिला, जिसमें से करीब 5 हजार रुपए गायब थे। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। उनका कहना है कि गांव से कुछ दूरी पर पुलिस चैकी होने के बावजूद गश्त नहीं की जाती, जिसके कारण चोर आसानी से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। वहीं, पुलिस का कहना है कि वे आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का सुराग लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

बीजेपी का प्लान: मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने के लिए होगा स्नेह मिलन कार्यक्रमों का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव और अगले साल के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चे ने मुस्लिम मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। मोर्चे ने इस साल चुनावी गहमागहमी बढ़ने के मद्देनजर हर जिले के मुस्लिम बहुल इलाकों में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित करने और हाल ही में लखनऊ के दौरे पर आये केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को कुछ कार्यक्रमों में आमंत्रित करने की योजना पर भी काम करना शुरू किया है। उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने आगामी चुनावों के मद्देनजर मुस्लिम बहुल इलाकों में पार्टी की रणनीति का खुलासा करते हुए बताया कि पार्टी भाजपा के खिलाफ विपक्ष के मुस्लिम विरोधी प्रोपेगेंडा के तोड़ के लिये एक व्यापक रणनीति बना रही है। उन्होंने कहा कि इस रणनीति के तहत आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश के हर जिले में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे, ताकि मुस्लिम समाज तक भाजपा का संदेश पहुंचे कि यह पार्टी उसकी सच्ची हितैषी है और उसके शासन में ही मुसलमानों को सरकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ पहुंचा है। उत्तर प्रदेश में आगामी अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और अगले साल के शुरू में ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अली ने गत मंगलवार को लखनऊ में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में दिये गये वक्तव्य का जिक्र भी किया जिसमें उन्होंने विपक्ष द्वारा भाजपा के मुस्लिम विरोधी होने का मिथ्याप्रचार किये जाने की बात कही थी।

इंडियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न, पत्रकारों की सुरक्षा व हितों पर हुआ मंथन

गोरखपुर। इंडियन प्रेस एसोसिएशन (IPA) की एक महत्वपूर्ण बैठक आज गोरखपुर में आयोजित की गई, जिसमें मंचासीन पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में विभिन्न पत्रकार संगठनों से जुड़े पत्रकारों ने सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों की समस्याओं, उत्पीड़न और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनके समाधान की दिशा तय करना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए इंडियन प्रेस एसोसिएशन के संस्थापक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता से जुड़े लोगों को आए दिन अनेक प्रकार की समस्याओं और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके लिए कोई ठोस मंच या प्रभावी समाधान उपलब्ध नहीं था। पत्रकार अपनी समस्याओं को लेकर एक संस्था से दूसरी संस्था भटकते रहते थे। इसी पीड़ा को देखते हुए 1 नवंबर 2025 को इंडियन प्रेस एसोसिएशन की स्थापना की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संगठन का मूल उद्देश्य केवल पत्रकारों के हितों की रक्षा करना, उनके उत्पीड़न को रोकना और पीड़ित पत्रकारों की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुँचाना है। संगठन का प्रयास है कि पत्रकारों की छोटी से छोटी समस्या भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री स्तर तक पहुँचे, ताकि उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। संस्थापक ने बताया कि संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष आदर्श कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ई. शक्ति शंकर सिंह बारी, राष्ट्रीय महामंत्री

के.के. श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव अरुण कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव पुनीत भारद्वाज, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री एवं मीडिया प्रभारी रेखा त्रिपाठी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय कुमार गुप्ता तथा राष्ट्रीय सचिव अविनाश चंद्र श्रीवास्तव सहित 10-15 वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं। उन्होंने संगठन की तुलना बरगद के वृक्ष से करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य है कि यह संस्था इतनी सशक्त बने कि समाज का हर पीड़ित पत्रकार इसके संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि यह संगठन की पहली औपचारिक बैठक थी, जिसमें सदस्यों और पदाधिकारियों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए गए। पदाधिकारियों से आग्रह किया गया कि वे फील्ड में आईडी कार्ड के साथ कार्य करें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत संगठन को दें, ताकि त्वरित निवारण किया जा सके। राजेश श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि संगठन को बने अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए हैं, इसके बावजूद 105 से अधिक पत्रकार सदस्य इससे जुड़ चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन की पहली वर्षगांठ तक यह संख्या हजारों में पहुँच जाएगी। अन्य पत्रकार संगठनों से अंतर स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इंडियन प्रेस एसोसिएशन पत्रकारों के साथ परिवार की तरह खड़ा रहेगा। संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि वास्तविक सुरक्षा, सहयोग और समाधान प्रदान करना है। फर्जी पत्रकारिता और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली से संगठन स्वयं को अलग रखेगा। भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि संगठन का लक्ष्य सभी सदस्यों के लिए बीमा पॉलिसी, आर्थिक सहायता और आपातकालीन सहयोग व्यवस्था लागू करना है, जिससे किसी भी संकट की स्थिति में पत्रकार और उनका परिवार सुरक्षित रह सके। बैठक के अंत में सभी उपस्थित पत्रकारों को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी गईं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

साउथ एशियन कॉम्बैट चैंपियनशिप में चंद्र प्रकाश मणि ने झटके सिल्वर

गोरखपुर। नेपाल के भैरहवा में आयोजित

16 जनवरी से 18 जनवरी तक हुए साऊथ एशियन कांम्बैट चैंम्पियनशिप मे उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के खिलाडी चंद्र प्रकाश मणि ने 66 किलो सीनियर भार वर्ग में कांम्बैट रेसलिंग प्रतियोगिता में अपने प्रतिद्वंद्वी नेपाल व भूटान देश के खिलाड़ियों को पटखनी देने हुए (सिल्वर) रजत मेडल भारत के झोली में डालकर इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि पर नेपाल राष्ट्र के खेलमंत्री सन्तोष कुमार पाण्डेय ने चंद्र प्रकाश मणि को सिल्वर मेडल पहनाते हुए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की। भारत देश के राष्ट्रहित में शानदार प्रदर्शन के दौरान चन्द्र प्रकाश मणि ने कहा कि यह मेडल मेरे भारत देश को समर्पित है। उन्होंने कहा कि खेल का मुख्य लक्ष्य अपने देश का मान सम्मान, गौरव बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है, साथ ही व्यक्तिगत रूप से अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और विश्व स्तरीय ऊंचाइयों को प्राप्त करना है। भारतीय खेलों को शीर्ष पर पहुंचाने के प्रयास करने वाले चन्द्रप्रकाश मणि का कहना है कि सच्चे खिलाड़ी वही हैं, जो जुनून के साथ अपने लक्ष्य पर फोकस रहते हैं। वे अभाव से विचलित नहीं होते। यह जज्बा ही स्पोर्ट्समैन स्पिरिट कहलाता है। ऐसा जज्बा रखने वाले खिलाड़ी यह मानते हैं कि जीत बेशक मायने रखती है, पर हार से भी टूटना नहीं है, किसी से द्वेष नहीं रखना है, बल्कि अपनी कमियों को सुधारकर आगे बढ़ने का हुनर सीखना है। इस दौरान सूर्यकुंड धाम के संरक्षक संतोष मणि त्रिपाठी, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पाण्डेय, पत्रकार पवन गुप्ता, भारतीय कॉम्बैट फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव संजय राय, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी बृजलाल तिवारी, पत्रकार आर के श्रीवास्तव, डॉ. शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, योद्धा मार्शल आर्ट के अध्यक्ष श्यामकिशुन, साहेब राम साहनी, अनुराग कुमार गौंड सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों ने चंद्रप्रकाश मणि के इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देने के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सामाजिक चर्चा: बारा विधानसभा (264) में जनता की आवाज

प्रयागराज। बारा विधानसभा क्षेत्र (264) में आगामी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। क्षेत्र में इन दिनों एक नाम लगातार सामाजिक और राजनीतिक चचाओं में बना हुआ है—पूर्व जिला अध्यक्ष, भाजपा यमुनापार प्रयागराज विभव नाथ भारती। स्थानीय जनमानस और राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यदि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए किसी योग्य और मजबूत प्रत्याशी की बात की जाए, तो विभव नाथ भारती के अतिरिक्त कोई दूसरा नाम प्रमुखता से सामने नहीं आता। वे लंबे समय से अगड़ा-पिछड़ा,

सभी वर्गों के सुख-दुख में सहभागी बनकर जनसेवा करते आ रहे हैं। विभव नाथ भारती को एक ऐसे जननेता के रूप में देखा जा रहा है, जो कार्यकताओं और आम जनता के बीच 24 घंटे सक्रिय रहते हैं। संगठनात्मक अनुभव, सामाजिक समर्पण और जनविश्वास के कारण वे एक सशक्त दावेदार माने जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि भारतीय जनता पार्टी को बारा विधानसभा क्षेत्र में ऐसे ही जमीनी, संघर्षशील और जनता के बीच रहने वाले प्रत्याशी को आगे लाना चाहिए, जिससे संगठन और जनता के बीच विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। यही नहीं, कई समाजसेवी संगठनों, पुराने भाजपा कार्यकताओं और क्षेत्र के पूर्व प्रधानों—जिन्होंने लंबे समय तक सामाजिक और राजनीतिक कार्यों का निर्वहन किया है—की भी यही मांग है कि यदि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में बारा विधानसभा से विभव नाथ भारती को प्रत्याशी घोषित करती है, तो क्षेत्र की जनता उन्हें विधानसभा तक पहुंचाने का कार्य करेगी। इस प्रकार बारा विधानसभा क्षेत्र में विभव नाथ भारती को लेकर जनचर्चा और राजनीतिक हलचल तेज होती नजर आ रही है।

वीर शिरोमणि रुपन बारी सेवा संस्थान द्वारा भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। वीर शिरोमणि रुपन बारी सेवा संस्थान द्वारा कार्यालय के सामने भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान श्रद्धा और सेवा भाव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर योगा प्रशिक्षण में विशेष योग्यता प्राप्त करने पर अदिति रावत को सम्मानित किया गया। संस्थान के पदाधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष लल्लू कुमार जानी, महानगर अध्यक्ष रमाकांत रावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसंतलाल बारी, महामंत्री लल्लू प्रसाद वर्मा, संस्थापक बिंदस्वरी प्रसाद वर्मा सहित रवि एडवोकेट, मुकेश रावत, भरत लाल, अनिल लाल, अवधेश बारी, राम नरेश एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भंडारे में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सामाजिक सेवा और धार्मिक आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया। उपरोक्त जानकारी संस्था के अधिकृत प्रतिनिधि बसंतलाल रावत द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र मोहम्मद समीर को उसके आचरण से क्षुब्ध होकर उसे हम अपने समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल कर रहा हूँ। ताकि वक्त पर काम आये।

मोहम्मद अशरफ
पुत्र सज्जाद अख्तर
निवासी वार्ड नं 65 पुराना गोरखपुर, थाना व पोस्ट गोरखनाथ जिला गोरखपुर

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी धरने पर बैठे, प्रोटोकॉल की मांग

प्रयागराज। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी अपने शंकराचार्य शिविर में धरने पर बैठ गए हैं। शंकराचार्य जी ने स्पष्ट किया है कि जब तक पुलिस-प्रशासन उन्हें ससम्मान प्रोटोकॉल के साथ गंगा स्नान के लिए नहीं ले जाएगा, तब तक वे गंगा स्नान नहीं करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए शंकराचार्य जी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने बताया कि यह निर्णय शंकराचार्य जी ने अपने सम्मान और परंपराओं की रक्षा के उद्देश्य से लिया है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी का आग्रह है कि सनातन परंपरा और जगद्गुरु पद की गरिमा के अनुरूप उन्हें समुचित सम्मान एवं सुरक्षा प्रदान की जाए। मीडिया प्रभारी ने यह भी बताया कि शंकराचार्य शिविर में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक पहल की अपेक्षा की जा रही है।

उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा के लिए डॉ. हरीश चन्द्र सम्मानित

गोरखपुर। गोरखपुर के बनकटवा क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए एस आई न्यूज द्वारा डॉ. हरीश चन्द्र को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पण, सेवा भावना और मरीजों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. हरीश चन्द्र लंबे समय से क्षेत्रवासियों को बेहतर और किफायती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उनकी निष्ठा और मानवीय दृष्टिकोण के कारण वे मरीजों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. हरीश चन्द्र को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे इसी प्रकार निरंतर प्रगति करते रहें और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहें। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले चिकित्सकों का सम्मान करना सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गोरखपुर के उनौला में चार दिवसीय कातिन बुनकर प्रशिक्षण का शुभारंभ

पिपराइच, गोरखपुर। सेवा निकेतन के तत्वावधान में उनौला, पिपराइच में चार दिवसीय कातिन बुनकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें बुनकरों को फाइबर के प्रकार, उनके प्रयोग एवं उत्पादन की व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण निट्रा गाजियाबाद के विशेषज्ञ प्रशिक्षक आत्मा राम यादव द्वारा प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में सेवा निकेतन के संचालक यशवंत श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए धागा एवं कातिन के उपयोग की विधि समझाई तथा खादी बोर्ड द्वारा बुनकरों को दिए जाने वाले बोनस एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डिजिटल सखी परियोजना की ज्वाइंट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर गीता कौर ने उद्यमी महिलाओं को प्रोत्साहन योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों तथा संस्था द्वारा दी जा रही हैंडहोल्डिंग सपोर्ट पर प्रकाश डाला। डिजिटल सखी रंजना यादव सहित अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। चार दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को बुनकरों एवं महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए प्रतिभागियों ने इसे आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मौनी अमावस्या पर्व पर प्रयागराज महा माघ मेला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के अंतर्गत मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम तट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। भोर से ही करोड़ों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए संगम पहुंचे। प्रशासन के अनुमान के अनुसार इस बार मौनी अमावस्या स्नान के लिए 3 से 4 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। लगभग 10 हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी मेले क्षेत्र में लगाई गई है। प्रशासन का दावा है कि बीती रात से अब तक करीब 50 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, जबकि सुबह 10 बजे तक लगभग 2 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इधर, प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी को प्रशासन द्वारा संगम स्नान से रोके जाने का मामला सामने आया है। इससे नाराज होकर शंकराचार्य जी धरने पर बैठ गए हैं। मामले को लेकर संत समाज में भी चर्चा बनी हुई है। श्रद्धालुओं पर की गई पुष्प वर्षा मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में स्नान करने आए श्रद्धालुओं पर प्रशासन की ओर से पुष्प वर्षा की गई। इस दृश्य ने श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था और भी बढ़ा दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर पोस्ट करते हुए लिखा, "तीर्थराज प्रयाग में आज मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर हुई पुष्पवर्षा आस्था का अभिनंदन और महान सनातन संस्कृति का वंदन है। जय माँ गंगे।" मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है।

Indian Press Association Meeting Concludes, Focus on Journalists' Safety and Welfare

Gorakhpur. A significant meeting of the Indian Press Association (IPA) was held today in Gorakhpur, witnessing the participation of a large number of journalists associated with various media organizations along with office bearers of the association. The primary objective of the meeting was to deliberate in detail on issues related to journalists' safety, harassment, and professional challenges, and to outline concrete solutions.

Addressing the gathering, Founder of Indian Press Association, Rajesh Kumar Srivastava, stated that journalists frequently face various forms of harassment, pressure, and professional difficulties, yet there was no strong and effective platform dedicated solely to addressing their concerns. Journalists were often forced to move from one organization to another in search of justice. Keeping this hardship in mind, the Indian Press Association was formally established on November 1, 2025."He emphasized that the core mission of the association is to protect journalists' rights, prevent harassment, and ensure that the voices of victimized journalists reach the administrative and governmental levels. The organization is committed to escalating even the smallest issue faced by journalists to the Chief Minister and Prime Minister, ensuring timely and effective resolution."The founder informed that a National Executive Committee has been constituted, comprising senior office bearers including National President Adarsh Kumar Srivastava, National Senior Vice President Ajay Kumar Verma, National Vice President Er. Shakti Shankar Singh Bari, National General Secretary K.K. Srivastava, National Joint Secretary Arun Kumar Srivastava, National Secretary Punit Bhardwaj, National Publicity Minister & Media In-Charge Rekha Tripathi, National Organization Minister Sanjay Kumar Gupta, and National Secretary Avinash Chandra Srivastava, along with 10–15 other senior members."Comparing the organization to a banyan tree, Rajesh Srivastava stated that the vision of the IPA is to grow into a strong protective institution under which every distressed journalist can feel secure and supported."It was also informed that this was the first official meeting of the association, during which identity cards were distributed to members and office bearers. Officials were advised to carry their ID cards while working in the field and immediately inform the association of any issue to ensure swift action.

Expressing satisfaction, the founder said that although the organization is less than two months old, it has already enrolled more than 105 journalists. He expressed confidence that the membership would grow into the thousands by the association's first anniversary."Highlighting the distinction between IPA and other journalist bodies, he said the Indian Press Association stands with journalists like a family. The organization does not believe in mere formalities but is committed to providing real protection, cooperation, and solutions. It will strictly distance itself from fake journalism and unorganized practices."Outlining future plans, he stated that the association aims to introduce insurance policies, financial assistance, and emergency support systems for its members, ensuring security for journalists and their families during crises.

The meeting concluded with extending New Year and Makar Sankranti greetings to all journalists present and a collective call to strengthen the organization through unity and dedication.

Achievement: Chandra Prakash Mani wins silver medal at South Asian Combat Championship

Gorakhpur. In the South Asian Combat Championship held in Bhairahawa, Nepal, from January 16th to 18th, Chandra Prakash Mani, a player from Deoria district of Uttar Pradesh, created history by winning the silver medal in the 66 kg senior weight category of the combat wrestling competition, defeating his opponents from Nepal and Bhutan."On this achievement, the Sports Minister of Nepal, Santosh Kumar Pandey, presented Chandra Prakash Mani with the silver medal and a certificate of appreciation, wishing him a bright future."During his outstanding performance in the national interest of India, Chandra Prakash Mani said that this medal is dedicated to his country, India."He said that the main goal of sports is to enhance the honor and glory of one's country and to represent one's country in international competitions, as well as to perform at one's best individually and reach world-class heights in their sport."Chandra Prakash Mani, who strives to take Indian sports to the top, says that true players are those who remain focused on their goals with passion. They are not deterred by difficulties. This spirit is called sportsmanship. Players with such a spirit believe that while winning is important, one should not be discouraged by defeat, nor should they harbor any ill will towards anyone, but rather learn the skill of improving their shortcomings and moving forward."During this time, Santosh Mani Tripathi, the patron of Suryakund Dham, former mayor Dr. Satya Pandey, journalist Pawan Gupta, National General Secretary of the Indian Combat Federation Sanjay Rai, senior journalist and social worker Brijlal Tiwari, journalist RK Srivastava, Dr. Shailendra Mani Tripathi, President of Yoddha Martial Arts Shyamkishun, Saheb Ram Sahni, Anurag Kumar Gond, and hundreds of others congratulated Chandra Prakash Mani on this remarkable achievement and wished him a bright future.

Gujarat's Pooja Kumari Wins Gold at South Asian Combat Championship

Gorakhpur. Pooja Kumari from Ahmedabad, Gujarat, created history by winning the Gold Medal for India in the 57 kg weight category (Combat No-Gi style) at the South Asian Combat Championship, held in Bhairahawa, Nepal, from January 16 to January 18."With this outstanding achievement, Pooja Kumari brought great pride to the nation by securing a gold medal in the prestigious international championship."On this remarkable success, Dharmesh Patel, President of the Combat Association of Gujarat, Santosh Karnik, General Secretary, along with sports enthusiasts from Ahmedabad, congratulated Pooja Kumari on her nation-proud achievement and extended their best wishes for her bright future.

Dr. Harish Chandra Honoured for Excellence in Medical Services

Gorakhpur. Dr. Harish Chandra was honoured by SI News for his continuous dedication and outstanding medical services in the Bankatwa area of Gorakhpur. The recognition stands as a symbol of his commitment, service-oriented approach, and unwavering dedication towards patient care.

Speakers at the event highlighted that Dr. Harish Chandra has been providing quality and affordable healthcare services to the local community for a long time. His compassionate attitude and professional integrity have earned him immense respect and trust among patients.

Those present at the ceremony extended their heartfelt congratulations to Dr. Harish Chandra on this achievement and wished him continued success. Prayers were also offered for his sustained progress and for him to remain a source of inspiration for society."The organizers stated that honoring doctors who contribute positively to society is an important social responsibility and helps promote excellence in the medical field.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।